उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

एम0 ए0 योग
द्वितीय वर्ष –(MA-Yoga 2nd year)
प्रश्न पत्र तृतीय (MY-203)
प्राकृतिक चिकित्सा
(कुल अंक - 100)

(Naturopathy)

(60 अंक लिखित परीक्षा एवं 40 अंक सत्रीय कार्य)

ब्लाक 1. प्राकृतिक चिकित्सा का अर्थ, इतिहास एवं सिद्धान्त

इकाई - 1. प्राकृतिक चिकित्सा का अर्थ ,परिभाषा, प्रादुर्भाव एवं विकास

इकाई - 2. प्राकृतिक चिकित्सा के मूलभूत सिद्धान्त

इकाई - 3. पंच महाभूत एवं महत तत्व का परिचय

ब्लाक 2. स्वास्थ्य रोग एवं निदान विधियौ

इकाई - 4. स्वास्थ्य एवं रोग की अवधारणा

इकाई - 5. विजातीय द्रव्य का सिद्धान्त

इकाई - 6. शारीरिक-मानसिक एवं आध्यात्मिक रोगों की अवधारणा

इकाई - 7. निदान की विविध विधियॉ

ब्लाक 3. प्राकृतिक चिकित्सा की उपचार विधियॉ

इकाई - 8. जल चिकित्सा में प्रयुक्त विविध पट्टियॉ

इकाई - 9. अग्नि तत्व की विभिन्न रोगों में प्रयुक्त विधियां

इकाई - 10. उपवास के सिद्धान्त, महत्व, उपवास के प्रकार एवं सावधानियां

इकाई - 11. मिट्टी के प्रकार- महत्व एवं विभिन्न रोगों में उसका प्रयोग

ब्लाक 4. प्राण चिकित्सा तथा प्रतिरोधक क्षमता

इकाई - 12. प्राण शक्ति की अवधारणा, स्रोत एवं सिद्धान्त

इकाई - 13. प्राण चिकित्सा की सीमा, लाभ व सावधानियां

इकाई - 14. प्राण-ऊर्जा एवं प्रतिरोधक क्षमता का सम्बन्ध एवं रोगोपचार

इकाई - 15. प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के उपाय

ब्लाक 5. अभ्यंग चिकित्सा

इकाई - 16. अभ्यंग चिकित्सा का अर्थ-परिभाषा, सिद्धान्त व उपयोग

इकाई - 17. अभ्यंग की विधियां व अभ्यंग में प्रयुक्त तेल

इकाई - 18. विभिन्न रोगों में अभ्यंग का प्रयोग एवं सावधानियां

ब्लाक 6. एनिमा

इकाई - 19. एनिमा की विधि एवं परिचय

इकाई - 20. एनिमा में प्रयुक्त होने वाले पानी व तेल

इकाई - 21. विविध रोगों में एनिमा का प्रयोग एवं सावधानियॉ